## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

## जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) षड्द्रव्यात्मको लोकः।

(ख) कृत्सनलोकेऽवगाहो धर्माधर्मयोः।

(ग) मनोद्रव्यपर्यायप्रकाशि मनःपर्यायः।

(घ) निखिलद्रव्यपर्याय साक्षात्कारि केवलम्।

(ड़) औदयिकपारिणामिकावपि उपशमः।

(च) नारकादेवा गमजर्तियङ्मनुष्याश्च समनस्काः।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 10

(क) परमाणु का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके लक्षण बताएं।

(ख) लोक किसे कहते हैं और उसके कितने प्रकार हैं?

(ग) अनाकार उपयोग किसे कहते हैं इसे स्पष्ट करते हुए अनाकार उपयोग का दूसरा नाम लिखें।

(घ) अवधिज्ञान किसे कहते हैं? और अवधान का अर्थ क्या है?

(ड़) भावेन्द्रिय के दो प्रकार-लब्धि इन्द्रिय और उपयोग इन्द्रिय को स्पष्ट करें।

(च) भेद और संघात से होने वाले स्कन्धों का वर्णन करें एवं अविभागी स्कन्ध कौन से हैं?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये– 10

(क) सदृश परमाणुओं के एकीभाव पर टिप्पण लिखें।

(ख) पर्याप्तियां कितनी हैं? उसके प्रकार बताते हुए छहों पर्याप्तियों को विस्तार से समझायें।

(ग) भाव किसे कहते हैं उसके प्रकार बताते हुये क्षयोपशम भाव को स्पष्ट करें।

## गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिये– 6

(क) सातवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के जघन्य-उत्कृष्ट भव प्रथम तीन गमक के आधार पर लिखें।

(ख) यौगलिकों में दृष्टि कितनी पाती है एवं ज्योतिष्क तक उत्पन्न होने वाले यौगलिकों में दृष्टि कौन सी होती है?

(ग) अपर्याप्त अवस्था में जीवों की जघन्य अवगाहना एवं आयु कितनी होती है?

(घ) समुद्घात किसे कहते हैं?

(ड़) दस भवनपति एवं व्यन्तर के घरों में कितने स्थानों से उत्पत्ति होती है?

(च) प्रथम नरक, तीसरी नरक एवं सातवीं नरक में कौन-कौन से संहनन वाले तिर्यंच एवं मनुष्य उत्पन्न हो सकते हैं?

(छ) गमा के थोकड़े में गमक संख्या कितनी है और कितने गमक टूटते हैं अर्थात् शुद्ध गमक कितने हैं?

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) 24 दण्डकों के 44 घर किस प्रकार बनते हैं?

(ख) असुरकुमार में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय का जघन्य-उत्कृष्ट नाणत्ता बताएं।

(ग) काय-संवेध किसे कहते हैं?

(घ) अध्यवसाय कितने प्रकार के होते हें? जघन्य गमक से जाने वाले असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय के नरक एवं देव में जाते समय अध्यवसाय कौन से होते हैं एवं क्यों?

(ड़) नौ निकाय में उत्पन्न होने वाले तिर्यंच यौगलिक की जघन्य एवं उत्कृष्ट अवगाहना कितनी है और वह किन जीवों की अपेक्षा से है?

(च) सातवीं नरक में उत्पन्न होने वाले संख्यात वर्ष वाले संज्ञी मनुष्य की जघन्य-उत्कृष्ट अवगाहना कितनी होती है एवं वे कितने भव करते हैं?

प्र. 6 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दें– 54

(क) यंत्र 24 के प्रथम छह गमक के उपपात द्वार, अवगाहना द्वार, आयु द्वार लिखें।

(ख) तीसरी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति का अवगाहना द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार और नाणत्ता लिखें।

(ग) प्रथम नरक में उत्पन्न होने वाले असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय का उपपात द्वार, आयु द्वार और अध्यवसाय द्वार लिखें।

(घ) सातवीं नरक के संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति का काय-संवेध द्वार लिखें।

(ड़) दूसरी नरक में उत्पन्न होने वाले संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय के जघन्य गमक में अवगाहना का नाणत्ता है किन्तु उत्कृष्ट गमक में नहीं, इसका अपेक्षा भेद बतायें।

(च) पांचवी नरक में उत्पन्न होने वाले संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय का संहनन से उपयोग द्वार तक लिखें।

(छ) तीसरे गमक से असुरकुमार में उत्पन्न होने वाला तिर्यंच यौगलिक वहां पर 1 सागर साधिक स्थिति होने पर भी 3 पल्य की स्थिति ग्रहण करता है, इसका कारण स्पष्ट करें एवं असुरकुमार में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति का उपपात द्वार लिखें।

(ज) यंत्र 22 का भव एवं काय-संवेध द्वार लिखें।

(झ) चौथी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति का परिमाण द्वार, अवगाहना द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार एवं आयु द्वार लिखें।

(ञ) दूसरी नरक, पांचवी नरक एवं सातवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति का उपपात द्वार लिखें।

(ट) ऋद्धि के 20 द्वारों में किन-किन द्वारों में नाणत्ता पड़ता है उनका नामोल्लेख करते हुए अवगाहना, लेश्या, दृष्टि, ज्ञान-अज्ञान द्वार का अर्थ लिखें।